

सम्पादकीय

राजनीतिक निहितार्थ : क्या लोकसभा चुनावों तक सुर्खियों में रहेगा मुद्दा

नेहरू के जीवनीकार बैंजामिन जकारिया के अनुसार, नेहरू ने 1936 में एक अखबार चलाने का फैसला किया था, जब वह खुद कांग्रेस की आंतरिक राजनीति से निराश हो रहे थे और उन्हें अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए एक मंच की आवश्यकता थी। जकारिया लिखते हैं, 'कांग्रेस को नियंत्रित करने वाली प्रतिक्रियावादी प्रवृत्तियों में स्वयं को उलझा पाकर और उसे रोक न पाने की बेबरी में जवाहरलाल ने प्रकारिता की शरण ली।

ऐसा लगता है कि नेशनल हेराल्ड-यंग इंडिया से संबंधित कथित मनी लॉन्चरिंग के कानूनी मामले ने राजनीतिक रंग ले लिया है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी के साथ ही मोतीलाल वारा तथा ऑस्ट्रर फ्रान्डीस (दोनों अब दिवंगत) के निर्देशित वाली यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड ने एजेंट (एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड) का स्वामित्व हासिल करने के लिए 2012 में कांग्रेस को 50 लाख रुपये का भुगतान किया था। इस चुनौती देते हुए तब दिल्ली हाईकोर्ट में एक मामला दर्ज किया गया।

इस मामले के याचिकाकर्ता भाजपा सांसद सुब्रमण्यम स्वामी के मुताबिक, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति द्वारा उन्हें एक मामले में हस्तांतरित 90.21 करोड़ रुपये के अलावा यंग इंडिया के पास अपनी कोई संपत्ति नहीं थी, जिसे कथित तौर पर 50 लाख रुपये के ऋण की प्रक्रिया के रूप में छिपाया गया था। स्वामी यही दावा करते हैं कि एजेंट के पास दिल्ली, भोपाल, इंदौर, लखनऊ, पंचकुला और अन्य स्थानों पर 1,600 करोड़ रुपये की संपत्ति है।

प्रवर्तन निर्देशालय (ईडी) ने इसी मामले में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके पुत्र तथा सांसद राहुल गांधी को तलब किया है। ईडी ने पिछले दो दिनों में राहुल से कई घंटों की पूछताछ की है। कांग्रेस की इस आलोचना में दम है कि कैसे प्रवर्तन निर्देशालय कथित रूप से राजनीतिक प्रतिशोध के मामलों में शामिल रहा है। इस वर्ष मार्च में कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने लोकसभा में एक लिखित प्रश्न में ईडी के प्रदर्शन के बारे में कई तरह के सवाल पूछे थे।

वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने जवाब दिया कि वर्ष 2004-14 के दौरान, 112 तलाशी की गई, नीतीजतन 5,346.16 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्की की गई और 104 मामले दर्ज किए गए। लेकिन वर्ष 2014-22 के दौरान, 2,974 तलाशी की गई, नीतीजतन 95,432.08 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्की की गई और 839 मामले दर्ज किए गए। लेकिन ईडी के मामलों में सजा की दर देखें, तो वह और भी चौंकाने वाली है। ईडी की सजा की दर एक प्रतिशत से भी कम है।

वास्तव में, 0.5 प्रतिशत से भी कम। 2,974 छापे में 23! समझ सकते हैं कि कथित गलत कामों के आधार पर 2,974 व्यक्तियों के सम्मान और व्यक्तिगत प्रतिष्ठा को धूमिल किया गया, जबकि केवल 23 को ही दोषी पाया गया। 2,951 व्यक्तियों और संस्थाओं की गिरिया कौन बहाल करेगा? इस लिहाज से, कांग्रेस के सावल उठाने और राहुल, सोनिया गांधी के साथ खड़े होने में खुच भी गलत नहीं है। दूसरी ओर, भाजपा यही एनडीए सरकार कांग्रेस पर हमलावर है।

राज्यसभा चुनावों के बाद कांग्रेस का संख्यावल और घट गया है, जिससे कांग्रेस में बेचौंनी चरम पर पहुंच गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान अपने पूरे प्रचार अभियान में 'भ्रष्ट' लोगों के खिलाफ कार्रवाई का वादा किया था, चाहे कोई कितना ही बड़ा क्यों न हो। यह वादा अब तक पूरा नहीं हुआ है। नेशनल हेराल्ड की कहानी वित्तीय शब्दजाल और जटिलताओं से भरी है, जिसमें मतदाताओं का यह समझाने की क्षमता है कि कोई बड़ा, भयावह घोटाला हुआ है।

राजनीतिक रूप से प्रधानमंत्री मोदी अपने विरोधियों से निपटने को लेकर सावधानी बरतते रहे हैं। शायद उन्हें पता है कि कैसे इंदिरा गांधी ने अन्तुर, 1977 से 1979 के बीच शानदार वापसी की थी, जब उनके राजनीतिक विरोधी मोराजी देसाई और चरण सिंह उन्हें निपटाने की कोशिश कर रहे थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या राहुल अपनी दादी के कौशल को दोहरा सकते हैं। निजी तौर पर जयदातार पार्टी नेता मोदी शासन के खिलाफ पलटवार करने की राहुल और कांग्रेस की क्षमता को लेकर आश्वस्त नहीं लगते।

वैसे वर्ष 1938 में जवाहरलाल नेहरू द्वारा स्थापित नेशनल हेराल्ड का गलत कारणों से सुर्खियों में रहने का इतिहास रहा है। अपने पूरे इतिहास में नेशनल हेराल्ड एक वित्तीय अपादा बना रहा। आजाना से पहले तीन साल तक अखबार बंद पड़ा था। बहाना ब्रिटिश सेंसरशाही था, लेकिन वास्तविक कारण था कि निपटने को लालू राजनीतिक विरोधी मोराजी देसाई और चरण सिंह उन्हें निपटाने की कोशिश कर रहे थे। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या राहुल अपनी दादी के कौशल को दोहरा सकते हैं। निजी तौर पर जयदातार पार्टी नेता मोदी शासन के खिलाफ पलटवार करने की राहुल और कांग्रेस की क्षमता को लेकर आश्वस्त नहीं लगते।

जकारिया लिखते हैं, 'कांग्रेस को नियंत्रित करने वाली प्रतिक्रियावादी प्रवृत्तियों में स्वयं को उलझा पाकर और उसे रोक न पाने की बेबरी में जवाहरलाल ने प्रकारिता की शरण ली। वर्ष 1936 में उन्होंने अपना खुद का अखबार शुरू करने का विचार किया और 9 सितंबर, 1938 का लखनऊ से नेशनल हेराल्ड का प्रथम अंक प्रकाशित हुआ।' जकारिया को वीच शानदार वापसी की थी, जब वह खुद कांग्रेस की आंतरिक राजनीति से निराश हो रहे थे और उन्हें अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए एक मंच की आवश्यकता थी।

जकारिया लिखते हैं, 'कांग्रेस को नियंत्रित करने वाली प्रतिक्रियावादी प्रवृत्तियों में स्वयं को उलझा पाकर और उसे रोक न पाने की बेबरी में जवाहरलाल ने प्रकारिता की शरण ली। वर्ष 1936 में उन्होंने अपना खुद का अखबार शुरू करने का विचार किया और 9 सितंबर, 1938 का लखनऊ से नेशनल हेराल्ड का प्रथम अंक प्रकाशित हुआ।'

कांग्रेस नेताओं का यह भी मानना है कि नेशनल हेराल्ड-यंग इंडिया ने जो कुछ किया, वह अनावश्यक, क्योंकि वे जो करना चाहते थे, उसके लिए बेहतर विकल्प देखे जा सकते थे। ऐसा कहा जाता है कि भाजपा के एक वरिष्ठ नेता (जो अब दिवंगत हैं) से एक बार कांग्रेस के तीन समझादार नेता मिले थे, जिन्होंने उनसे गांधी परिवार के खिलाफ अभियान नहीं चलाने के लिए एनडीए के राजनीतिक नेतृत्व को मनाने का अनुरोध किया था।

राजनीतिक नेतृत्व ने इस शर्त पर कुछ इच्छा दिखाई कि नेशनल हेराल्ड-यंग इंडिया द्वारा सूचीबद्ध संपत्तियों को सरकार को वरपास कर दिया जाए, तो किसी प्रकार का राजनीतिक समझौता हो सकता था। जब कांग्रेस के उन नेताओं ने पार्टी नेतृत्व के सामने हुए मुद्दा रखा, तो उन्होंने कहा कि पार्टी सावधान और उसे रोक न पाने की गलती। इस पृष्ठभूमि के विपरीत एक बड़ा टकराव जारी है और यह मुद्दा 2024 के लोकसभा चुनावों तक सुर्खियों में रह सकता है।

ये लेखक के अपने विचार हैं।

बन्द ऑफिस में चोरी करने वाले चोर को पुलिस ने मय माल एवं अबैध तमंचे सहित किया गिरफ्तार

उमाकान्त श्रीवास्तव व्यूरो शाहजहांपुर : पुलिस अधीक्षक एस. आनन्द के निदेशानुसार श्री संजय कुमार पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण में श्री अखण्ड प्रताप सिंह क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के निर्देशन में थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक श्री बुजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में अपवाह रोकथाम, चोरी की विभिन्न घटनाओं की रोकथाम एवं वांछितों के विरुद्ध तहत कार्यवाही करते हुए थाना कोतवाली पुलिस टीम को बड़ी सफलता प्राप्त हुई। 21 जून को थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला अल्हापुर इन्डोर्जे ने एजेंट (एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड) का स्वामित्व हासिल करने के लिए 2012 में कांग्रेस को 50 लाख रुपये का भुगतान किया था। इस चुनौती देते हुए तब दिल्ली हाईकोर्ट में एक मामला दर्ज किया गया।

उमाकान्त श्रीवास्तव व्यूरो शाहजहांपुर : पुलिस अधीक्षक एस. आनन्द के निदेशानुसार श्री संजय कुमार पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण में श्री अखण्ड प्रताप सिंह क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के निर्देशन में थाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक श्री बुजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में अपवाह रोकथाम, चोरी की विभिन्न घटनाओं की रोकथाम एवं वांछितों के विरुद्ध तहत कार्यवाही करते हुए थाना कोतवाली पुलिस टीम को बड़ी सफलता प्राप्त हुई। 21 जून को थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला साउथ सिंहासन विधानसभा के नेतृत्व में एक क्षेत्राधिकारी की विभिन्न घटनाओं की रोकथाम एवं वांछितों के विरुद्ध तहत कार्यवाही करते हुए थाना कोतवाली पुलिस टीम को बड़ी सफलता प्राप्त हुई। 21 जून को थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला साउथ सिंहासन विधानसभा के नेतृत्व में एक क्षेत्राधिकारी की विभिन्न घटनाओं की रोकथाम एवं वांछितों के विरुद्ध तहत कार्यवाही करते हुए थाना कोतवाली पुलिस टीम को बड़ी सफलता प्राप्त हुई। 21 जून को थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला साउथ सिंहासन विधानसभा के नेतृत्व में एक क्षेत्राधिकारी की विभिन्न घटनाओं की रोकथाम एवं वांछितों के विरुद्ध तहत कार्यवाही करते हुए थाना कोतवाली पुलिस टीम को बड़ी सफलता प्राप्त हुई। 21 जून को थाना कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला साउथ सिंहासन विधानसभा के नेतृत्व में एक क्षेत्राधिकारी की विभिन्न घटनाओं की रोकथाम एवं वांछितों के विरुद्ध तहत कार्यवाही करते हुए थाना कोतवाली पुल

